www.davvonline.com
davv ba question papers

हिन्दी साहित्य-2014

हिन्दी कथा साहित्य

Time : 3 Hours] [Max. Marks : Regular 85/Private 100/Old ATKT 70

नोट : खण्ड अ, ब तथा स सभी विद्यार्थियों - नियमित, प्रायवेट एवं ओल्ड ए.टी.के.टी. के लिए अनिवार्य है। प्रत्येक खण्ड में दिये गये निर्देशों का पालन करें। सभी के लिये अक विभाजन योजना प्रश्नपत्र में दर्शाये अनुसार होगी।

खण्ड अ : वस्तुनिष्ठ [Reg. 15 × 1 = 15/Pvt. 15 × 1 = 15/Old ATKT 15 × 1 = 15]

1. 'प्रेमचन्द घर में' पुस्तक किसन लिखी है?
2. जोहरा किस उपन्यास की पात्र है?
3. जालपा को किस आभूषण की लालसा थी?
4. प्रेमचन्द पहले किस नाम से लिखते थे?
5. झाँसी की रानी की चिता पर चबूतरा किसने बाँधा था?
6. झाँसी की रानी का बचपन का नाम लिखिए।
7. हिन्दी उपन्यास का प्रारंभ किस युग से माना जाता है?
8. अमरकान्त का मूल नाम क्या था?
9. झाँसी की रानी उपन्यास के दो पात्रों के नाम लिखिए।
10. निर्मल वर्मा की कौन सी कहानी आपके पाठ्यक्रम में हैं?
11. 'खंजन नयन' उपन्यास के लेखक कौन हैं?
12. भीष्म साहनी का जन्म कहाँ हुआ था?
13. बाबा भारती को ठगने वाले डाकू का नाम लिखिए।
14. रमानाथ 'गबन' करने के बाद किस शहर में जाता है?
15. इंदुमती कहानी के रचनाकार का नाम बताइये।

खण्ड ब : लघु उत्तरीय [Reg. 5 × 4 = 20/Pvt. 5 × 5 = 25/Old ATKT 5 × 3 = 15]

1. 'गबन' का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'झाँसी कां रानी' का कथासार लिखिए।

2. जैनेन्द्र कुमार के लेखन की मूल प्रवृत्तियाँ क्या हैं?

अथवा

सुदर्शन का जीवन परिचय दीजिए।

3. मार्कण्डेय के लेखन को प्रभावित करने वाले तत्वों का उल्लेख कीजिए।

अथवा

अमृतलाल नागर के साहित्य की विशेषताएँ लिखिए।

4. कृष्णा सोबती को उत्कृष्ट लेखन के लिए कौन-से सम्मान दिये गये हैं?

अथवा

फणीश्वरनाथ रेणु के कथा शिल्प को संक्षेप में लिखिए।

5. 'परमात्मा का कुत्ता' कहानी का व्यंग्य स्पष्ट कीजिए।

अथवा

उपन्यास तथा कहानी में क्या अन्तर है?

www.davvonline.com

www.davvonline.com
davv ba question papers

खण्ड स : दीर्घ उत्तरीय [Reg. 5 × 10 = 50/Pvt. 5 × 12 = 60/Old ATKT 5 × 8 = 40]

1. निम्नलिखित गद्यांश की प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए :

यह वास्तव में यात्रा ही थी - अँधेरे से उजाले की, मिथ्या से सत्य की। मन में सोच रही थी कि वह इस तरह रहेगी कि थोड़े-से-थोड़े में निर्वाह हो जाए। एक पैसा भी व्यर्थ न खर्च करेगी। अपनी मजदूरी के ऊपर एक कौड़ी भी घर में न आने देगी। आज से उसके नए जीवन का आरंभ होगा।

अथवा

हमको केवल कर्म करने का अधिकार है, फल का कभी नहीं। हमको एक बड़ा संतोष है। जनता हमारे साथ है। जनता सब कुछ है। जनता अमर है। इसको स्वराज्य के सूत्र में बाँधना चाहिए। राजाओं को अंग्रेज भले ही मिटा दें; परन्तु जनता को नहीं मिटा सकते।

2. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग कीजिए :

जिस व्यक्ति के अस्तित्व से पत्नी माँग से सिंदूर डालने की अधिकारी है, समाज में उसका स्थान है, उसके सामने वह दो वक्त भोजन की थाली रख देने से अपने कर्तव्य से छुट्टी पा जाती है।

अथवा

मैं ईश्वर को नहीं मानता, मैं पाप को नहीं मानता, मैं दया को नहीं समझ सकता, मैं उस लोक में विश्वास नहीं करता। पर मुझे अपने हृदय के एक दुर्बल अंश पर श्रद्धा हो गई है। तुम न जाने कैसे एक बहकी हुई तारिका के समान मेरे शून्य में उदित हो गई हो।

3. हिन्दी उपन्यास के प्रकारों का वर्णन कीजिए।

अथवा

हिन्दी कहानी की पृष्ठभूमि बताते हुए कहानी के प्रथम चरण की प्रवृत्तियाँ लिखिए।

4. 'जालपा' का चरित्र-चित्रण कीजिए।

अथवा

'झाँसी की रानी' उपन्यास में 'इतिहास और कल्पना का सुंदर समन्वय हुआ है।' स्पष्ट कीजिए।

5. 'ठाकुर का कुआँ' कहानी का कथानक एवं उद्देश्य लिखिए।

अथवा

'परिन्दे' अथवा 'जिन्दगी और जोंक' कहानी की समीक्षा कीजिए।

www.davvonline.com